डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 7, अंक 23 अप्रैल-जून 2016

श्री राजन गोहेन ने नए रेल राज्य मंत्री का पद संभाला

श्री राजन गोहेन ने 6 जुलाई 2016 को रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री का पद संभाल लिया। वे असम के नौगांव लोकसभा सीट से सांसद हैं। वे इस सीट से मई 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में चौथी बार चुने गये हैं। वे इस सीट का 1999 से लगातार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्यभार ग्रहण करने के तुंरत बाद उन्होंने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन श्री ए. के. मित्तल के साथ विस्तार से चर्चा की। उसके बाद मीडिया से बात करते हुए श्री राजन गोहेन ने कहा कि उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं में सुरक्षा और उसके उपायों, रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास और विस्तार, यात्री सुविधाएं और यात्री सेवाओं, समय की पाबंदी, लोक शिकायतों का निवारण और उत्तर–पूर्व में रेल परियोजनाओं का शीघ्र निपटारा जैसे क्षेत्रों को रखा है।

कला और कानून में स्नातक, श्री गोहेन अपने युवा दिनों से ही सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में सक्रिय रहे हैं। वे नौगांव जिला भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में रहे हैं। अपने लंबे संसदीय कार्यकाल के दौरान श्री राजन गोहेन कई समितियों जैसे गृह मंत्रालय की स्थायी समिति के सदस्य, सदन के पटल पर रखे जाने वाले दस्तावेजों की समिति के सदस्य, कृषि मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य, जल संसाधन मंत्रालय की स्थायी समिति के सदस्य, सांसदों के लिए कंप्यूटर, पार्टियों के लिए कार्यालय, लोकसभा सचिवालय के कार्यालय के सदस्य, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्थायी समिति के सदस्य, अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के सदस्य, आवास समिति के सदस्य, याचिका समिति के सदस्य, रेलवे की स्थायी समिति के सदस्य, अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के सदस्य और कृषि मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य भी पहले रह चुके हैं।

श्री राजन गोहेन ने असम आंदोलन में भी भाग लिया है। उन्होंने असम में विभिन्न जनजातियों के कल्याण के लिए काम किया है। वे विभिन्न क्षेत्रों जैसे इतिहास, खेल, संगीत, कृषि, चाय बागान, रबर, मछली पालन, डेयरी फार्मिंग तथा सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी रुचि रखते है। इन्होंने लाओस, थाईलैंड और ब्रिटेन जैसे कुछ देशों का भी दौरा किया है।

डीएफसीसीआईएल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

डीएफसीसीआईएल में दूसरा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। योग दिवस पर, दिनांक 21.06.2016 को डीएफसीसीआईएल कॉर्पोरेट कार्यालय में योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा, निदेशक/परिचालन एवं व्यवसाय विकास श्री एच. डी. गुजराती, निदेशक/परियोजना नियोजन श्री अंशुमान शर्मा, निदेशक/अवसंरचना श्री डी. एस. राणा एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री यू. के. लाल समेत डीएफसीसीआईएल के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया। सत्र की समाप्ति के पश्चात श्री आदेश शर्मा ने योग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से योग को अपनी जीवन–शैली में शामिल करने की अपील की।

डीएफसीसीआईएल ने मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा और रेल हमसफर सप्ताह

डीएफसीसीआईएल में 16 से 30 जून 2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान कॉर्पोरेट कार्यालय एवं विभिन्न परियोजना कार्यालयों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया और लोगों को सफाई की महत्त्व के प्रति जागरूक किया गया। पखवाड़े के दौरान डीएफसीसीआईएल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनेक सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। पखवाड़े के अंतिम दिन डीएफसीसीआईएल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ली।

वहीं 26 मई से 1 जून के बीच डीएफसीसीआईएल में रेल हमसफर सप्ताह का भी आयोजन किया गया। इस दौरान डीएफसीसीआईएल परिसर को और हरा–भरा बनाने पर विशेष जोर दिया गया। रेल हमसफर सप्ताह के समापन के अवसर पर 1 जून 2016 को प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा एवं अन्य निदेशक गणों ने उद्यान क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक पौधे लगाए।

डीफसीसीआईल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 15–06–2016 को मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही अवधि की डीफसीसीआईल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक श्री आदेश शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक महोदय की सहमति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए।

1. राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
2. सैप (SAP) में अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी की सुविधा को शीघ्र से शीघ्र शुरू करने के लिए शीघ्र प्रयास किए जाएं।
3. डीएफसीसीआईएल में उपलब्ध सभी मैनुअलों/नियमावलियों हिंदी अनुवाद स्वतंत्र अनुवादकों/एजेंसियों से करवाया जाए।
4. कॉर्पोरेट कार्यालय के राजभाषा विभाग में पदों के सृजन की प्रक्रिया को शीघ्र से शीघ पूरा किया जाए।
5. दिनांक 09.05.2016 से 17.05.2016 तक डीफसीसीआईल के कॉर्पोरेट कार्यालय में सात दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक/राजभाषा, रेलवे बोर्ड, एवं विभिन्न सरकारी उपक्रमों के विद्वान व्याख्याताओं के व्याख्यानों से कार्यशाला में शामिल सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण काफी लाभन्वित हुए।
6. परियोजना कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के गठन की प्रक्रिया प्रांरभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि परियोजना कार्यालयों में हिंदी का कार्य देखने के लिए वहां कार्यरत किसी अधिकारी को नामित किया जाए।
7. बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा हिंदी में नोटिंग डिक्टेशन देने तथा पत्राचार में हिंदी का प्रयोग करने वाले अधिकारियों में से प्रत्येक तिमाही में एक अधिकारी को पुरस्कृत किया जाए। अध्यक्ष महोदय ने इस दिशा में सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए।
8. प्रबंध निदेशक महोदय ने कहा कि वह स्वयं कॉर्पोरेट कार्यालय में हिंदी में किए जा रहे कार्य का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह कॉर्पोरेट कार्यालय एवं परियोजना कार्यालयों में हिंदी कार्य का निरीक्षण करें जिससे हिंदी में कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन मिलेगा।
9. प्रबंध निदेशक महोदय ने निर्देश दिया कि फाइलों एवं अन्य प्रिन्टिंग किए जाने वाले कागजात हिंदी–अंग्रेजी द्विभाषी में छपवाएं जाएं साथ ही सभी विभाग अपने दैनिक प्रयोग में आने वाले कागजातों के टेम्पलेट हिंदी में बनवाएं।
10. प्रबंध निदेशक महोदय ने निर्देश दिया कि डीएफसी न्यूज पत्र में शेष एक अंग्रेजी प्रकाशित पृष्ठ को भी हिंदी में प्रकाशित किया जाए तथा पृष्ठों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किए जाएं।
11. प्रबंध निदेशक महोदनय ने हिंदी पुस्तकालय में ई–बुक पुस्तकालय को शुरू करने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए।
12. प्रबंध निदेशक महोदय ने मानव संसाधन विभाग को कार्यालय आदेश हिंदी में भी जारी करने के निर्देश दिए।

काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी
काम करते हुए सोचना सतर्कता
और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है

स्वामी दयानन्द सरस्वती

अप्रैल–जुलाई 2016 तिमाही एक नजर में...

प्रमुख उपलब्धियां

1. अप्रैल–जून 2016 तिमाही के दौरान रु.4960 करोड. के कॉण्ट्रैक्ट अवार्ड किए गए हैं।

- पूर्वी डीएफसी–2 (402 किमी.) भाऊपुर–मुगलसराय के लिए सिग्नल एवं दूर संचार कॉण्ट्रैक्ट मेसर्स नेशनल रेलवे रिसर्च एंड डिजायन इन्सटीटयूट एंड टेलीकम्यूनिकेशन ग्रुप कंपनी लि. को दिनांक 23.06.2016 को अवार्ड किया गया।
- पश्चिमी डीएफसी चरण–2 मकरपुरा–जेएनपीटी के लिए सिग्नल एंड दूर संचार पैकेज (एसटीपी–17) के लिए रु. 631 करोड़ मेसर्स सोजिटीजेड–एल एंड टी कॉन्सो रटियमको दिनांक 13.05.2016 को अवार्ड किया गया।
- साहनेवाल–पिलखनी सेक्शन (सीपी–301) के लिए सिविल कॉण्ट्रैक्ट पैकेज रु.1769.4 करोड़ का मेसर्स जीआईएल–टीपीएल जेवी को दिनांक 03.06.2016 को अवार्ड किया गया।
- मुगलसराय–भाऊपुर सेक्शन में विद्युत कार्यों (सीपी–204) के लिए रु.847 करोड़ का कॉण्ट्रैक्ट मेसर्स एल एंड टी इनबेन्सार जेवी को दिनांक 03.06.2016 को अवार्ड किया गया।
- सोननगर जंक्शन के लिए सिविल कार्य व्यवस्था का कॉण्ट्रैक्ट रु.365 करोड़ का मेसर्स एटीईपीएल–एमजीसीपीएल जेवी को दिनांक 26.04.2016 को अवार्ड किया गया, इसी के साथ मुगलसराय–सोननगर सेक्शन में सिविल कार्यों के लिए सभी कॉण्ट्रैक्टों के अवार्ड का कार्य पूरा हो गया है।

2. **सीटीपी–1 एवं 2 के अंतर्गत रेवाडी–इकबालगढ में सिविल कार्य कॉण्ट्रैक्ट :** तिमाही के दौरान एच टू स्तर तक 84 किमी. का निर्माण, एच स्तर तक 105.5 किमी का निर्माण एवं ट्रैक लिंकिंग 39.3 किमी. को पूरा किया गया. अभी तक कुल 12 बड़े एवं 274 छोटे पुलों में से 07 बड़े पुल एवं 70 छोटे पुलों को पूरा कर किया गया।

4. **भाऊपुर–खुर्जा सेक्शन** पर सिविल कार्य प्रगति पर हैं। इटावा में 4 किमी. लम्बाई की डीटूर को भौतिक कब्जे के अंतर्गत लिया गया है। तिमाही के दौरान 11 किमी. का एच स्तर तक निर्माण, ब्लैंकेट सहित 9.2 किमी. और ट्रैक लिंकिंग 55 किमी. के कार्य को पूरा किया गया।

5. **दुर्गावती–सासाराम सेक्शन** पर दिनांक 03.06.2016 को प्रथम माल गाड़ी डाउन लाइन पर चलाई गई। सोन ब्रिज का कार्य प्रगति पर है और तिमाही के दौरान 25 नग पीएससी बाक्सल गर्डर की शुरूआत की गई है, इस तरह कुल 135 की संख्या हो गई है।

अन्य उपलब्धियां:

पूर्वी कोरीडोर

1. खुर्जा–पिलखनी सेक्शन में सिविल कार्य के लिए पीक्यू मूल्यांकन रिपोर्ट दिनांक 14.03.2016 विश्व बैंक को प्रस्तुत कर दी गई थी। विश्व बैंक से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है।
2. खुर्जा–पिलखनी सेक्शन में विश्व बैंक की सहमति के बाद सिस्टम कार्य (सीपी–305) के लिए पी क्यू दिनांक 31.05.2016 को जारी कर दी गई है। पूर्व प्रस्तुतीकरण कॉन्फ्रेंस दिनांक 30.06.2016 को आयोजित की गई।
3. दिनांक 26.05.2016 को खुर्जा–दादरी (सीपी–105) के सिस्टम कार्य के लिए पीक्यू के 8 आवदेन प्राप्त हो गए हैं। मूल्यांकन का कार्य प्रगति पर है।
4. दिनांक 25.05.2016 को पिलखनी–साहनेवाल सेक्शन (सीपी–304) के सिस्टम कार्यों के लिए पीक्यू के 8 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मूल्यांकन का कार्य प्रगति पर है।
5. दिनांक 18.5.2016 को विश्व बैंक क्लियरेंस के बाद पूर्वी डीएफसी–3 की क्यूएसएसी सेवाओं के लिए चयनित सलाहकारों को आरएफपी जारी कर दी गई। प्री–बिड कॉन्फ्रेंस दिनांक 02.06.2016 को आयोजित की गई। प्रश्नों और परिशिष्ट के उत्तर दे दिए गए हैं।
6. विश्व बैंक क्लियरेंस के साथ भारतीय रेलवे के लिए प्रवाह क्षमता के बढ़ोत्तरी के लिए ईओआई जारी की गई।
7. दिनांक 28.06.2016 को विश्व बैंक क्लियरेंस के साथ भारतीय रेलवे के लिए स्ट्रैटेजिक टेक्नॉलाजी एंड होलिस्टीक एडवान्समेंट स्टडी के लिए विशेष रेलवे स्थापना के लिए ईओआई (एसआरईएस टीएचए) जारी की गई।
8. पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–पिलखनी सेक्शन में पीएमसी सेवाओं के लिए ईओआई दिनांक 20.05.2016 को प्राप्त हुई। कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए, सलाहकरों के चयन की प्रक्रिया प्रगति पर है।
9. दिनांक 01.06.2016 को सिग्नलिंग कार्य सीपी–104 के आईएसए कार्य के लिए ईओआई की चयनित मूल्यांकन रिपोर्ट का अनुमोदन हो गया है। दिनांक 21.06.2016 को आरएफपी जारी की गई।

पश्चिम डीएफसी

1. जेएनपीटी–वैतरणा सेक्शन के बीच सिविल एवं ट्रैक पैकेज–11 के लिए तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट के लिए JICA का अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 31.05.2016 को प्राप्त हो गया था। वित्तीय बोलियों को दिनांक 06.06.2016 को खोला गया।
2. रेवाड़ी–दादरी सेक्शन के बीच इन्टीग्रेटेड कॉण्ट्रैक्ट पैकेज–14 के लिए तकनीकी बोलियों को दिनांक 07.04.2016 को खोला गया और उनका मूल्यांकन किया जा रहा है।
3. साबरमती और माही नदियों पर पुलों के लिए विशेष पुल पैकेज, सीटीपी–3ए(आर) के लिए कॉण्ट्रैक्ट दिनांक 20.11.2014 को पूरा हो गया था। बैंचिग पौधों को स्थापित किया गया है और हाइड्रोलोजिकल रिपोर्ट को प्रस्तुत किया जा चुका है। सब स्ट्रक्चर डिजायन प्रगति पर है। कुल भौतिक प्रगति 6.8 प्रतिशत है।
4. पुल पैकेज 15ए, 15बी एवं 15 सी के लिए ठेकों को चालू कर दिया गया है। सीटीपी–15बी एवं 15 सी में पुलों के लिए जियो–टेक्निकल जांच पूरी की जा चुकी है।

विविध

भविष्य के कोरीडोर

1. पूर्वी तट कोरीडोर के लिए अंतिम प्रांरभिक इंजीनियरिंग एवं यातायात सर्वेक्षण (पीईटीएस) रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को दिनांक 05.04.2016 को भेज दी गई है. उत्तर दक्षिण कोरीडोर एवं पूर्व पश्चिम कोरीडोर के लिए पीईटीएस रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को पहले ही भेजी जा चुकी है।
2. दक्षिण कोरीडोर रेनीगुंटा से मडगांव (वाया अंकोला) अनुमानित 873 किमी. की लंबाई.– रेनीगुंटा से हुबली सेक्शन (582.831 किमी) की अंतिम ड्राफ्ट रिपोर्ट RITES द्वारा दिनांक 05.01.2016 को भेज दी गई है। RITES को दिनांक17.11.2014 को संपन्न बैठक के मिनट्स के अनुसार दक्षिण डीएफसी में हुबली से मंडगाव वाया अंकोला की योजना को तैयार करने की सलाह दी गई थी। तद्नुसार हुबली से मंडगाव वाया अंकोला (290 किमी.) सेक्शन के भौतिक सर्वेक्षण का कार्य RITES द्वारा पूरा कर लिया गया है। हुबली से मंडगाव सेक्शन के अलाइनमेंट एवं अन्य संबंधित कार्य प्रगति पर हैं और मार्च 2017 तक पूरा होने की उम्मीद है।

3. रेल बजट 2016–2017 के दौरान माननीय रेल मंत्री द्वारा तीन कोरीडोर, पूर्व–पश्चिम कोरीडोर, उत्तर दक्षिण कोरीडोर एवं पूर्व तट कोरीडोर की घोषणा की थी।

परामर्श सेवाएं:

1. **डीएफसीसीआईएल और उसके कैचमेंट क्षेत्रों के लिए मार्केटिंग एवं वाणिज्यिक रणनीतियों के विकास के लिए परामर्श सेवाएं (डीएमसीएसडी)** डीएफसीसीआईएल कैचमेंट क्षेत्रों पर यातायात के लिए मार्केट रिसर्च (केडी–2ए) और आंकलन की आवश्यकता विषय रिपोर्ट दिनांक 28.04.2016 को प्राप्त हो गई है। यातायात, रूट लागत व ओर मालभाड़ा लागत रणनीति पर विषयक रिपोर्ट (केडी–2बी) पर दिनांक 26.04.2016 एवं 27.04.2016 को प्रस्तुतियां दी गई।
2. **डीएफसीसीआईएल के सांस्थानिक सुदृढ़ीकरण मोड्यूल (आईएसएमडी)** – परिचालन एवं रखरखाव विषय (केडी–2)पर रिपोर्ट दिनांक 28.04.2016 को प्राप्त हो गई थी। संरक्षा एवं मानव संसाधन विषय पर दिनाक 8.5.20156 एवं 20.5.2016 को रिपोर्ट प्राप्त हो गई थी। समीक्षा बैठक दिनांक 17.5.2016 एवं 18.5.2016 को आयोजित की गई थी।
3. **भारत में हेवी हॉल क्षमता का विकास (एचएचआरसीडीआई)** केडी–3 रिपोर्ट पर रेलवे बोर्ड की हेवी हॉल कमेटी की टिप्पणियां प्राप्त हो गई है। मसौदा अंतिम रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए दिनांक 07.06.2016 को रेलवे बोर्ड में बैठक आयोजित की गई थी।

भूमि अधिग्रहण:

अभी तक सेक्शन 20 एफ के अंतर्गत 10125 हेक्टेयर भूमि का कुल अवार्ड घोषित किया गया है। (पश्चिम डीएफसी में 6000 हेक्टेयर में से 5739 हेक्टेयर और पूर्वी डीएफसी में 5765 हेक्टेयर में से 4386) जो सोननगर–डानकुनि सेक्शन को छोड़कर अनुमानित 90.9 प्रतिशत है और कुल 86.1 प्रतिशत। जून 2016 तक (पश्चिमी डीएफसी 4946 करोड़ और पूर्वी डीएफसी 3412 करोड़) कुल रु. 8358 करोड़ मुआवजे की घोषणा की जा चुकी है।

मानव संसाधन:

1. अप्रैल–जून तिमाही में निम्नलिखित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं में अधिकारियों और कर्मचारियों को भेजा गया।

- JICA द्वारा डीएफसी के मालभाड़ा परिचालन पर तकनीकी सहायता, कॉर्पोरेट करों के मुद्दों, सेवा कर मुद्दे, संगठन को उत्कृष्ट बनाने के लिए जुड़े हुए लोग, ग्लोबल जियो–सिंथेटिक्स सम्मेलन, सब स्टेशन में अग्रिम और नवाचार, परियोजना वित्त में पर्यावरणीय एवं सामाजिक जोखिम आंकलन, महिला कार्यकारियों के लिए नेतृत्व विकास, परियोजना प्रबंधन, सामाजिक प्रभाव आंकलन, वैश्विक प्रापण की प्रस्तुति, अवसंरचना आदि में कानूनी मुद्दे।

2. ओपन मार्केट के माध्यम से 282 पदों को भरने के लिए ऑन लाइन परीक्षा आयोजित की गई।
3. तिमाही के दौरान डीएफसीसीआईएल में 08 अधिकारियों ने प्रतिनियुक्ति पर और 11 अधिकारियों ने संविदा पर (वित्त विभाग) में कार्य ग्रहण किया और 08 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया।
4. नियमित कर्मचारियों को सेवा के दौरान कर्मचारी की अचानक मृत्यु) के मामलों में बीमा को कवर करते हुए एक नई समूह बीमा योजना को प्रांरभ किया गया।

डीएफसीसीआईएल ने प्रकाशित किया पहला सतर्कता बुलेटिन

डीएफसीसीआईएल ने सतर्कता बुलेटिन का पहला संस्करण– 'Vigilance Bulletin–2015' प्रकाशित किया है। इस बुलेटिन का अनावरण 13 जून 2016 को कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित निदेशक मंडल की 55वीं बैठक के दौरान रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के अध्यक्ष श्री ए. के. मित्तल ने किया। इस अवसर पर डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा, निदेशक/परियोजना नियोजन एवं प्रापण श्री अंशुमन शर्मा, निदेशक/परिचालन एवं व्यवसाय विकास श्री एच.डी. गुजराती, निदेशक/वित्त श्री एम. के. मित्तल, निदेशक/अवसंरचना श्री डी. एस. राणा, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री यू. के. लाल, स्वतंत्र निदेशक श्री रवि माथुर एवं श्री शक्ति मुंशी तथा मनोनीत निदेशक श्री गिरीश पिल्लई समेत एवं कंपनी सचिव सुश्री मीनू कपूर उपस्थित थीं।

विदाई समारोह

डीएफसीसीआईएल में बतौर प्रबंधक प्रशासन कार्यरत श्री सतीश मनशारमानी 30 जून 2016 को सेवानिवृत्त हो गए। डीएफसीसीआईएल में उनके योगदान के सम्मान में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया। प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा, अन्य निदेशक गणों एवं अधिकारियों तथा उनके सहकर्मियों ने उन्हें सप्रेम विदाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

Canted Turnouts to ease track maintenance and improve running on freight corridors

Manjul Mathur, GGM/MA/EC

Canting of rails have been adopted by various railways for a steady movement of rolling stock. As soon as the wheel deviates from its central position on the rail top, canting of rails acts in opposition to bring it back to its central position. Canting of rails however could not be continued on turnouts, as the available technology in the manufacture of turnouts was not capable of carrying the cant through the switch and crossing portions. With computer aided facilities available for the design of structures and the development of numerically controlled machines, it became possible to fabricate the switches to the desired canted formation. Cast Manganese steel crossing also paved the way in bringing cant into the crossing area. With these two developments, the field is open to continue the canting of rails through the turnouts.

The continuation of cant through turnout has significant advantages:

- Canted surface shift the contact away from gauge face and result in extending the service life of a switch point by reducing of delaying the initiation of rail contact fatigue.
- Gauge corner contact (which happens for the normal turnout configuration of a vertical rail on horizontal bearers) results in localized fatigue; this in turn results in shelling (creating of scales due to high stresses and metal fatigue) and loss of section.
- The sudden sway of the vehicle on turnout, a normal occurrence on vertical rails, does not happen with canting of rails, resulting in a better distribution of vertical strains & less wear and tear.

Surprisingly the first use of canted turnouts is claimed by SNCF way back in 1920s but regular application has become prevalent in recent years only.

Rails with head modified to the desired cant are now available in the world market. German Railways have issued instructions for adopting canting of rails on turnouts. In Australia, the only network carrying 32.5 t per axle (using AS60 kg rail) is the ARTC's Hunter Valley coalfields. The canted turnouts provided there, are performing well so that the ARTC has ground the head profile of other turnouts and now specifies that all new turnouts must either be canted, or be pre-machined or pre-ground to the inclined rail head profile.

On Bhaupur- Khurja section of DFCCIL, canted turnouts with speed potential of 55 Kmph are being provided for the first time. The turnouts hitherto provided on Indian Railways have speed potential of 30 Kmph only. The entire design and test results will be validated by experts in Indian Institute of Technology, Chennai who have been associated for developments in PSC sleepers in the past. Important features of canted turnouts used on Bhaupur-Khurja section:

- Tangential geometry to ensure smooth entry without knocking and less lateral forces.
- Design speed of 55kmph (30kmph on IR), operational speed of 50kmph.
- Switch is operated by two synchronized point machines ensuring full housing upto junction of heads (where switch rail meets the stock rail); fit and forget type arrangement with minimum maintenance.
- Slide chairs provided with rollers (with Ni-Cr coating to provide increased wear life) for easy and smooth operation.
- Rail supported on inclined steel base plate with 10mm thick composite rail pad and self-tensioning fastening.
- Thick web switches and canted CMS crossings with welded legs for carrying long welded rails through the points and crossings.

Positive results on DFC could lead to IR adopting such assemblies on heavily used tracks, particularly those ferrying minerals.

Figure 1 View of 1 in 12 canted turnout

Figure 2 Weldable CMS crossing

माह के उत्कृष्ट कर्मचारी

अप्रैल 2016

श्री राकेश बाबू
परियोजना अधिकारी/
इंजीनियरिंग/मुगलसराय

पूर्वी डीएफसी के दुर्गावती–सासाराम सेक्शन पर पहली व्यावसायिक माल गाड़ी चलाने में श्री राकेश बाबू ने अपनी उत्कृष्ट प्रबंधकीय क्षमता का परिचय दिया। इस दौरान उन्होंने अनेक कार्यों को अपने व्यक्तिगत देख–रेख में संपन्न कराकर डीएफसी ट्रैक पर माल गाड़ी के संचालन को सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया।

मई 2016

श्री बसंत राय
उप केंद्रिय परियोजना अधिकारी/
सिग्नल एंड टेली./मुगलसराय

श्री बसंत राय ने डीएफसी के दुर्गावती–सासाराम सेक्शन पर पहली व्यावसायिक मालगाड़ी के संचालन के दौरान 'प्वाइंट टू प्वाइंट वायरलेस संचार' सुनिश्चित किया। उनकी तकनीकी विशेषज्ञता, कार्य के प्रति गहरी रुचि एवं टीम वर्क की भावना से डीएफसी ट्रैक पर मालगाड़ी का सुरक्षित संचालन संभव हो सका।

जून 2016

श्री मोज़ाहिर अनवर
सहायक परियोजना प्रबंधक/एस ऐंड टी
मुगलसराय/पूर्वी डीएससी

श्री मोज़ाहिर अनवर ने सासाराम में करीब चार वर्षों से लंबित अतिक्रमण को हटाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त बासा गांव में चल रहे भूमि अधिग्रहण मामले को स्थानीय अधिकारियों के साथ बातचीत के ज़रिए डीएफसी के पक्ष में निपटाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्य की प्रगति

पूर्वी डीएफसी के भाऊपुर–खुर्जा सेक्शन पर एनटीसी मशीन द्वारा ट्रैक बिछाने का कार्य प्रगति पर

पश्चिमी डीएफसी केरेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन पर बन रहा मेजर ब्रिज

पूर्वी डीएफसी के दाऊदखान ग्रैंटी यार्ड में रेल स्टैकिंग का कार्य प्रगति पर

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित। कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार, चतुर्थ तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: aloksharma@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in
वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** आलोक शर्मा, **सह-संपादक:** राजेश खरे
www.facebook.com/dfccil.india www.twitter.com/dfccil_india